खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर आबरू से खिलवाड़ करने वाला गिरफ्तार

शहडोल। प्यार का ढोंग और शादी का झूठा झांसा देकर एक युवती की जिंदगी बर्बाद करने वाले दरिंदे को अमलाई पुलिस ने दबोच लिया है। प्यार के नाम पर हवस का खेल खेलने वाले आरोपी लव केवट को पुलिस ने गिरफ्तार कर सीधे जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। शहडोल पुलिस का यह कड़ा संदेश है कि महिला संबंधी अपराधों में अब कोई रियायत नहीं बरती जाएगी। गर्भवती कर मुकर गया लव मामला तब गरमाया जब पीड़िता ने अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। जानकारी के अनुसार, आरोपी लव केवट उम्र 19 वर्ष निवासी बुढ़ार ने करीब 6 महीने पहले युवती को प्रेम जाल में फंसाया। शादी का सब्जबाग दिखाकर आरोपी ने 20 अगस्त 2025 को पहली बार मर्यादा पार की और लगातार शोषण करता रहा। हद तो तब हो गई जब युवती चार माह की गर्भवती हो गई और इस कथित प्रेमी ने शादी से साफ इंकार कर बातचीत तक बंद कर दी।
शिकायत मिलते ही अमलाई थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेन्द्र मणि पाण्डेय ने मामले की गंभीरता को भांपते हुए बीएनएस की संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने जाल बिछाकर 23 फरवरी को आरोपी को सरईकांपा से धर दबोचा। इस त्वरित कार्यवाही में उपनिरीक्षक श्याम सिंह सार्टे, आरक्षक तीरथ सिंह और महिला आरक्षक अमीना मरकाम की अहम भूमिका रही।

लूट और मारपीट का एक और गुनहगार दबोचा

शहडोल। कानून के लंबे हाथों से बचना नामुमकिन है, यह एक बार फिर ब्यौहारी पुलिस ने साबित कर दिया है। भोगिया रोड पर दिनदहाड़े लूट और बेरहमी से मारपीट करने वाले गिरोह के एक और शातिर गुर्गे रवि सेन को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया है। महीनों से फरार चल रहे इस आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है कि पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा। बीती 8 जनवरी को तिखवा निवासी विकास गुप्ता के साथ जैन चक्की के पास जो हुआ, उसने इलाके में सनसनी फैला दी थी। आरोपियों ने रास्ता रोककर न केवल गाली-गलौज की, बल्कि लाठी, डंडे और बेल्ट से फरियादी को अधमरा कर दिया। इतना ही नहीं, गुंडागर्दी की इंतहा करते हुए आरोपियों ने 12,000 रुपये नगद और मोबाइल भी लूट लिया था। थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक के नेतृत्व में पुलिस की टीम इस गिरोह के पीछे हाथ धोकर पड़ी है। आनंद यादव, मानस यादव, अमीन खान और गुलाब केवट पहले ही जेल की हवा खा रहे हैं। अब फरार रवि सेन की गिरफ्तारी के बाद पुलिस का शिकंजा और कस गया है। इस सफल ऑपरेशन में उपनिरीक्षक सुरेश रैदास और आरक्षक पंकज, गंगासागर व विवेक सूर्या ने जांबाजी दिखाई। पुलिस ने साफ कर दिया है कि आखिरी फरार आरोपी अश्वनी पाण्डेय भी बहुत जल्द पुलिस की गिरफ्त में होगा।

बुढार में पूज्य मुनि श्री की अविस्मरणीय आगवानी

बुढार। आगामी 25 फरवरी से 2 मार्च 2026 से होने जा रहे श्री पंच कल्याणक महोत्सव मे 35 जिनप्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ हेतु पूज्य 108 श्री प्रमाण सागर जी की आगवानी कॉलेज तिराहा बुढार में बेहत ही उन्माद पूर्वक हर्षोल्लास तरीके से की गई। पूज्य गुरुजी की एक झलक पाने जैन समाज के साथ, सिख समाज, सिंधी समाज, कसौधन समाज, ब्राह्मण समाज, क्षत्रिय समाज,अग्रवाल समाज सोनी समाज, ताम्रकार समाज ,व्यापारी संघ,सभी ने मिलकर जगह जगह गुरु जी की आगवानी कर पाद प्रक्षालन किया। पूरे नगर को रंगोली, फूलों , द्वारों से सजाया गया, गुरु जी के आगमन पर पुष्प वर्षा की गई।जुलूस नगर भ्रमण कर रेलवे स्टेशन के निकट नवीन जिन मंदिर में आहुत हुआ, जिसके बाद पूज्य श्री के प्रवचन पश्चात कार्यक्रम हेतु पत्रों का चयन किया गया। जैन समाज के प्रसन्न जैन दीपू ने बताया कि इसके पूर्व 2001 में 24 अप्रैल से 29 अप्रैल में 25 वर्षों पूर्व ये महा महोत्सव पूज्य चिन्मय सागर के सानिध्य में सम्पन्न हुआ था।

108 खातों में रकम ट्रांसफर, साइबर टीम अलर्ट

अनूपपुर में 10 लाख की ऑनलाइन ठगी

शहडोल। अमलाई क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां कॉल इंडिया के एक कर्मचारी के खाते से लगभग 10 लाख रुपये साइबर अपराधियों ने पार कर दिए। ठगी की रकम चार किस्तों में निकाली गई और 108 खातों में ट्रांसफर कर दी गई। पुलिस और साइबर टीम ने जांच तेज कर दी है।जिले के अंतिम छोर में अमलाई कालरी, दुर्गा मंदिर क्षेत्र निवासी एवं कोल इंडिया कर्मचारी विजय कुमार पांडे ने बताया कि 21 फरवरी 2026 को दोपहर 11:24 से 11:27 बजे के बीच उनके मोबाइल पर एक संदिग्ध एप फाइल आई। इसके बाद 8787421460 और 9366043073 नंबर से कॉल कर लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि लिंक पर क्लिक करने के बाद शाम 7:06 बजे से उनके खाते से रकम कटनी शुरू हो गई। पहले 3,50,000 रुपये, फिर 8:40 बजे 4,00,000 रुपये, 8:42 बजे 1,00,000 रुपये तथा इसके बाद 1,50,000 रुपये और निकल गए। कुल मिलाकर लगभग 10 लाख रुपये की ठगी की गई। पीड़ित ने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जिसका कंप्लेंट नंबर 26020573450 तथा एनसीसीआरपी पोर्टल का नंबर 221022600008116 दर्ज किया गया है।

108 खातों में रकम ट्रांसफर

पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी की गई रकम चार खातों के माध्यम से सोमवार दोपहर तक 108 अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दी गई। यह राशि कोलकाता, महाराष्ट्र, रीवा, झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में भेजी गई। सूत्रों के अनुसार, रकम का एक बड़ा हिस्सा एटीएम के जरिए भी निकाल लिया गया है। हालांकि पुलिस की सक्रियता से अब तक लगभग 13,000 रुपये की राशि कुछ खातों में फ्रीज कराई गई है और यह कार्रवाई लगातार जारी है।

अन्य राज्यों में भी शिकार

जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया है कि इसी गिरोह ने अन्य

राज्यों में भी लोगों को निशाना बनाया। चंडीगढ़ के एक व्यक्ति के खाते से लगभग 37 लाख रुपये तथा उत्तर प्रदेश के एक निवासी से करीब 70 हजार रुपये की राशि निकाली गई है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि यह अंतरराज्यीय साइबर गिरोह सक्रिय है।

पुलिस और साइबर टीम की सक्रियता

शिकायत मिलते ही चचाई थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर और साइबर टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की। डिजिटल ट्रांजेक्शन ट्रेल खंगाली जा रही है और संदिग्ध खातों की पहचान कर उन्हें फ्रीज कराया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही गिरोह तक पहुंच बनाई जाएगी और पीड़ित को अधिकतम राशि वापस दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

एएसपी जगन्नाथ मरकाम की अपील

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ मरकाम ने मामले को गंभीर साइबर घोटाला बताते हुए आम नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक, एप फाइल या कॉल पर भरोसा न करें। बैंक, केवाईसी या पुरस्कार के नाम पर आने वाले कॉल और संदेशों से सावधान रहें। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा उपाय जागरूकता है। यदि किसी के साथ ठगी होती है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि रकम को समय रहते फ्रीज कराया जा सके।

बढ़ता साइबर खतरा

अनूपपुर जिले में सामने आया यह मामला इस बात का संकेत है कि साइबर अपराधी अब छोटे शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों को भी निशाना बना रहे हैं। कोल इंडिया के कर्मचारी के साथ हुई यह ठगी आम लोगों के लिए चेतावनी है कि मोबाइल पर आने वाले संदिग्ध लिंक और ऐप्स से दूरी बनाए रखें। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले की तह तक जाकर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सतर्क रहें, जागरूक रहें और साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस का सहयोग करें।

दिल्ली की नजर में शहडोल का पीएम श्री स्कूल

संयुक्त सचिव ने परखा जादुई पिटारा, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

शहडोल। शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रहे पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल का सोमवार को भारत सरकार के संयुक्त सचिव दीपक मिश्रा और कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने औचक निरीक्षण किया। दिल्ली से पहुंचे आला अधिकारी के इस दौरे ने न केवल विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता की पुष्टि की, बल्कि जिले के शिक्षा तंत्र को भी रिचार्ज कर दिया। संयुक्त सचिव ने विद्यालय की एक-एक गतिविधि का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन ही प्राथमिकता है।

जादुई पिटारा बना आकर्षण का केंद्र

निरीक्षण के दौरान सबसे खास रहा प्राथमिक कक्षाओं के नन्हे-मुन्नों के लिए तैयार किया गया जादुई पिटारा। संयुक्त सचिव श्री मिश्रा ने जब इन गतिविधियों को देखा, तो वे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। खेल-खेल में शिक्षा देने वाले इस नवाचार की उन्होंने सराहना की। प्राचार्य श्रीमती प्रीति मिश्रा ने बताया कि विद्यालय में केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि स्मार्ट क्लास और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बच्चों की अभिरुचि जगाई जा रही है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में छात्रों का आत्मविश्वास अधिकारी की कसौटी पर खरा उतरा।

बजट और प्रबंधन पर सख्त सवाल

संयुक्त सचिव श्री मिश्रा ने प्रशासनिक कसावट दिखाते हुए विद्यालय को मिलने वाले बजट और उसके उपयोग पर तीखे सवाल किए। उन्होंने स्पष्ट रूप से पूछा कि सरकारी धन का उपयोग छात्रों के हित में किस तरह हो रहा है। प्राचार्य ने आत्मविश्वास के साथ रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि आवंटित बजट का शत-प्रतिशत उपयोग शैक्षणिक सुविधाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल-कूद की वार्षिक गतिविधियों में पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है।

गुणवत्ता और अनुशासन में नंबर-1

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विद्यालय के माहौल की जमकर पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि यहां के शिक्षकों की ईमानदारी और मेहनत का ही परिणाम है कि विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में, बल्कि अन्य गतिविधियों में भी अव्वल आ रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि अनुशासन और गुणवत्ता के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

परिसर में पौधारोपण और लैब का मुआयना

अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रूप से किया गया, जिसके बाद संयुक्त सचिव ने मां सरस्वती के चरणों में वंदन किया और परिसर में प्रतीक स्वरूप पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने लैब और क्लासरूम की साफ-सफाई का भी बारीकी से मुआयना किया। भारत सरकार के संयुक्त सचिव का यह दौरा यह साफ कर गया कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल केवल एक नाम नहीं, बल्कि जिले में आधुनिक शिक्षा का एक पावरहाउस बनकर उभर रहा है। अब उम्मीद है कि इस निरीक्षण के बाद विद्यालय को और भी नई सुविधाएं और प्रोजेक्ट्स मिल सकेंगे।

राज्यपाल की मौजूदगी में सजेगा दीक्षांत समारोह

मेधावियों पर होगी पदकों की बारिश

शहडोल। संभाग के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षा के मंदिर, पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में 25 फरवरी को इतिहास रचा जाएगा। प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगु भाई पटेल की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षांत समारोह नवलपुर परिसर में पूरी भव्यता के साथ आयोजित होने जा रहा है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हजारों छात्र-छात्राओं के सपनों को आधिकारिक उड़ान मिलने का दिन है।

शाही शोभायात्रा और पदकों का सम्मान

कार्यक्रम का आगाज सुबह 11 बजे भव्य दीक्षांत शोभायात्रा के साथ होगा, जिसमें संकायाध्यक्ष अपनी-अपनी विधाओं के योग्य विद्यार्थियों को कुलाधिपति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। इस गौरवशाली क्षण में राज्यपाल स्वयं अपने हाथों से मेधावियों को स्वर्ण पदक और उपाधियाँ वितरित करेंगे। इस दौरान कुलगरु प्रो. रामशंकर छात्रों को राष्ट्र सेवा और नैतिकता की दीक्षांत शपथ दिलाएंगे।

दिल्ली से शहडोल तक हलचल

समारोह के सारस्वत अतिथि कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल होंगे, जबकि दीक्षांत उद्बोधन भारतीय सशस्त्र बल के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल अनूप बनर्जी देंगे। मंच पर सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह सहित जिले के चारों विधायक जयसिंह मरावी, मनीषा सिंह और शरद कोल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन को अभेद्य किले और अनुशासन की मिसाल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। स्मारिका विमोचन के साथ ही यह दिन शहडोल के शैक्षणिक इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होने जा रहा है।

लापरवाही की तो नपेंगे अधिकारीः कलेक्टर

सीएम हेल्पलाइन में फिसड्डी विभागों पर गिरेगी गाज

शहडोल। जनता की समस्याओं को ठंडे बस्ते में डालने वाले अफसरों की अब खैर नहीं है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विराट सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारियों की क्लास लेते हुए साफ चेतावनी दी है कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर खानापूर्ति बंद करें। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि जो विभाग सी और डी ग्रेड में रेंग रहे हैं, वे सुधर जाएं, वरना अनुशासनहीनता की कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

100 दिन पुरानी शिकायतों पर सर्जिकल स्ट्राइक

कलेक्टर ने 100 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण केवल कागजों पर नहीं, बल्कि नागरिकों की संतुष्टि के साथ जमीन पर दिखना चाहिए। कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा कि रु-1 अधिकारी अनिवार्य रूप से जवाब दर्ज करें और कोई भी शिकायत अनअटेंडेड (बिना जवाब के) नहीं रहनी चाहिए।

ग्रेडिंग सुधारो वरना भुगतो परिणाम

बैठक में कलेक्टर का रुख बेहद आक्रामक रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछड़े हुए विभाग अपनी रणनीति बदलें और ए ग्रेड में आने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाएं। जिन विभागों में शिकायतों का अंबार लगा है, वहां जिला स्तरीय अधिकारियों को खुद मैदान में उतरने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर की इस सख्ती ने सुस्त पड़े प्रशासनिक अमले में हडक़ंप मचा दिया है। अब देखना यह है कि साहब की इस विराट चेतावनी के बाद जनता को कितनी राहत मिलती है।

ईको फ्रैंडली बैग्स को बढ़ावा देने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा

शहडोल।। जिले के पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी के निर्देशन में ईको क्लब के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला मेकिंग ऑफ ईको फ्रेंडली बैग्स का आयोजन किया गया। जिसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सभी विद्यार्थियों को जूट से निर्मित किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा विद्या दायिनी मां सरस्वती के पूजन से किया गया। सुश्री रागिनी गुप्ता एवं डॉ अर्चना जायसवाल ने विद्यार्थियों को ईको फ्रेंडली बैग, पेपर बैग एवं लिफाफा बनाना सिखाया। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सभी सामान बनाना सीखा और पेपर बैग्स भी बनाए।

पर्यावरण संरक्षण का लें संकल्पः प्राचार्य

प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लें तथा अपने भविष्य में आने वाले संकट से बचने के लिए प्लास्टिक मुक्त रहने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने तथा प्रकृति को बचाने का आव्हान किया। ईको क्लब प्रभारी प्रोफेसर उत्तम सिंह ने विद्यार्थियों को पर्यावरण को स्वच्छ रखने तथा दैनिक जीवन में काम आने

वाली चीजों को पुनः कैसे उपयोग किया जा सकता है उसकी महत्ता बतायी। विद्यार्थियों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया व अपने जीवन में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को कम की सलाह दी।

प्लास्टिक व पालीथिन के स्थान पर उनके विकल्पों का करें उपयोगः प्रो. उत्तम सिंह

प्रोफेसर उत्तम सिंह ने छात्र-छात्राओं को ईको फ्रेंडली बैग्स निर्माण का उद्देश्य बताया जिसमें उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी देना है। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी जागरूक बनें और दैनिक जीवन में प्लास्टिक व पॉलिथीन के स्थान पर पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाएं। यह कार्यशाला रचनात्मकता और कौशल विकास को बढ़ावा देती है तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती है।

छात्र-छात्राओं को किया गया प्रोत्साहित

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा ईको क्लब की गतिविधियों में हुए कार्यक्रम में पोस्टर निर्माण एवं निबंध लेखन, पर्यावरण जागरूकता संबंधी मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, ट्रॉफी एवं डायरी देकर पुरस्कृत किया गया साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ईको क्लब की तरफ से सभी अतिथियों को जूट के थैले वितरित किए गए। अंत में सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता हेतु मिशन लाइफ शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम का संचालन ईको क्लब प्रभारी प्रोफेसर उत्तम सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ प्रमिला वास्केल, डॉ लवकुश दीपेंद्र, प्रो. गजेंद्र परते, शुभांगी गुप्ता, डॉक्टर यदुवीर प्रसाद मिश्रा, आदित्य शुक्ला, क्रीड़ा अधिकारी दिलीप शुक्ला, डॉ मुनौवर अली , डॉ. तबस्सुम शेख, डॉक्टर प्रीति रजक, राजेंद्र साकेत, एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में आभार भगवत राज बरमैया ने व्यक्त किया।

हाईटेक होगा समितियों का लेखा-जोखा, नाबार्ड ने पैक्स कर्मचारियों को दिया डिजिटल मंत्र

शहडोल। सहकारिता के पुराने ढर्रे को उखाड़ फेंकने और समितियों को आधुनिक बनाने के लिए नाबार्ड ने शहडोल में अपनी ताकत झोंक दी है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सभागार में आयोजित दो दिवसीय सॉफ्टकाब प्रशिक्षण शिविर में पैक्स कर्मचारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि अब कागजों की बाजीगरी नहीं, बल्कि कंप्यूटराइजेशन और पारदर्शिता ही तरक्की का एकमात्र रास्ता है।

लापरवाही की जगह नहीं

सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर के प्राचार्य व्ही.के. बर्वे ने दो-टूक शब्दों में कहा कि तकनीकी युग में समितियों का अस्तित्व बचाने के लिए डिजिटलीकरण अनिवार्य है। उन्होंने व्यवसाय विविधीकरण पर जोर देते हुए बताया कि समितियां अब केवल खाद-बीज तक सीमित न रहें, बल्कि मल्टीपर्पज बिजनेस मॉडल अपनाकर लाभ कमाएं।

तकनीकी कसौटी पर परखा गया मैदानी अमला

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.के. यादव की अध्यक्षता में हुए इस मंथन में मास्टर ट्रेनर रामसुशील शुक्ला ने तकनीकी बारीकियों से कर्मचारियों को रूबरू कराया। वहीं, मार्केटिंग प्रभारी शिवप्रसाद चौधरी ने मुनाफे का गणित समझाया। सहायक आयुक्त सहकारिता अभय सिंह की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि शासन की मंशा समितियों को घाटे से उबारकर कॉर्पोरेट स्तर पर खड़ा करने की है। प्रशिक्षण

के अंत में प्रमाण पत्र बांटकर कर्मचारियों को जिम्मेदारी का अहसास कराया गया। अब देखना यह है कि शहडोल की समितियां डिजिटल क्रांति के इस पाठ को मैदान में कितनी तेजी से उतारती हैं।

खबर संक्षेप

हाथी मानव द्वंद न्यूनीकरण विषय पर कार्यशाला संपन्न

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि ईको सेंटर, ताला में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं उमरिया वन मंडल के संयुक्त मार्गदर्शन में हाथी मानव द्वंद विषय पर जिला पंचायत अनूपपुर के अधिकारियों तथा जन प्रतिनिधियों के जागरूकता हेतू कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व तथा वनमण्डल अधिकारी उमरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों के दौरान उत्पन्न मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, सुरक्षा उपायों, समन्वित कार्ययोजना एवं विभागीय रणनीति पर चर्चा है। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के अधिकारियों द्वारा हाथियों की निगरानी, सुरक्षा प्रोटोकॉल,गज रक्षक ऐप, त्वरित सूचना प्रणाली तथा प्रभावी प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अनूपपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी , अध्यक्ष एवं सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा हाथी मानव द्वंद की घटनाओं को कम करने हेतु प्रभावी योजनाओं के क्रियान्वयन पर बल दिया। कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए गए। अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों ने समन्वित प्रयासों के माध्यम से हाथी मानव द्वंद की घटनाओं को न्यूनतम करने का संकल्प लिया।

सिकल सेल एनीमिया का शिविर आयोजित

कोतमा। स्वास्थ्य विभाग अनूपपुर एवं जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी संस्था के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में सिकल सेल एनीमिया का शिविर आयोजित किया गया। साथ ही आवश्यक औषधियों हाइड्राक्सी यूरिया फोलिक एसिड के अलावा आयुर्वेदिक औषधियां वितरित किया गया। अश्वगंधा चूर्ण, त्रिकुट चूर्ण, रास्नासप्तक का कवाय आदि औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में 73 सिकल सेल मरीजों का उपचार डाक्टर संगीता प्रजापति के द्वारा किया गया। शिविर में आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर

संगीता प्रजापति के द्वारा प्रत्येक मरीज की जांच की गई। शिविर में आए 10 मरीजों को वैक्सीनेट किया गया। प्रथम डोज के चार मरीजों एवं दितीय डोज के छः मरीजों को वैक्सिनेटेड किया गया। शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर के एल दीवान, रोशनी राठौर, लक्ष्मी पाटकर, उमेश, सीमा, निराला, ममता, पूजा महरा, शालिनी मिश्रा, सीमा सिंह उपस्थिति रही। डाक्टर संगीता प्रजापति के द्वारा एनीमिया के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई।

यातायात पुलिस की तत्परता से सड़क हादसे में घायल परिवार को मिली नई जिंदगी

जैतहरी। थाना क्षेत्र जैतहरी अंतर्गत ग्राम धनगवाँ के पास रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया छत्तीसगढ़ से इलाज कराकर लौट रहा एक परिवार उस समय दुर्घटना का शिकार हो गया जब उनकी चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और खेत में पलट गया। वाहन में सवार चालक सहित एक अन्य पुरुष और दो महिलाएं वाहन के अंदर फंस गईं।

हुड़दंगियों और मिलावटखोरों की अब खैर नहीं

होली पर उमरिया में जीरो टॉलरेंस

उमरिया।

त्यौहार की आड़ में अराजकता फैलाने वालों, हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने वालों और जहर परोसने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ जिला प्रशासन ने युद्ध छेड़ दिया है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में दो-टूक लहजे में साफ कर दिया है कि होली की परंपरा का सम्मान होगा, लेकिन नियम तोडऩे वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

प्राकृतिक रंगों से खेलें होली

शांति समिति ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे रासायनिक और जानलेवा रंगों का त्याग कर प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें। बच्चों द्वारा रंग डालने पर छोटी-छोटी बातों को विवाद का रूप न दें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि 2 मार्च को होलिका दहन और 3 मार्च को धुलेंडी का पर्व आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए।

शांति से मनाएं पर्व, शोर मचाया तो होगी जेल

प्रशासन ने इस बार ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले डीजे और कानफोड़ू लाउडस्पीकरों पर पूरी तरह से सर्जिकल स्ट्राइक कर दी है। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साउंड बॉक्स का उपयोग भी केवल मंद ध्वनि में और एसडीएम की लिखित अनुमति के बाद ही किया जा सकेगा। बिना अनुमति के धमचक मचाने वालों के उपकरण जब्त कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तो नपेंगे होलिका दहन आयोजक

पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रशासन इस बार बेहद आक्रामक है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि होलिका दहन के नाम पर हरे-भरे पेड़ों की कटाई किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही, सडक़ों के बीचों-बीच, बिजली के खंभों के नीचे, पेट्रोल पंपों के पास या रिहायशी मकानों के एकदम करीब होली जलाकर आम जनजीवन को खतरे में डालने वालों पर प्रशासन की पैनी नजर है। एसडीएम और एसडीओपी को निर्देश दिए गए हैं कि वे खुद मौके पर जाकर स्थलों का निरीक्षण करें।

मिलावटखोरों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की तैयारी

कलेक्टर श्री जैन ने जिले के सफेदपोश मिलावटखोरों को सीधी चेतावनी दी है। त्यौहार के नाम पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले अब चैन की नींद नहीं सो पाएंगे। एसडीएम के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर दी गई है, जो एक सप्ताह पहले से ही होटलों, दुकानों और गोदामों पर ताबड़तोड़ छापेमारी करेगी। मिलावटी खाद्य सामग्री मिलने पर दुकान सील करने और सख्त एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर भी ड्रग विभाग की गिद्ध दृष्टि रहेगी।

प्रशासन के सख्त निर्देश

त्यौहार के नाम पर राहगीरों या व्यापारियों से जबरन चंदा वसूली करने वालों को सीधे हवालात की हवा खानी होगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों और सडक़ों पर हुड़दंग करने वालों के लिए पुलिस की विशेष पेट्रोलिंग टीम तैनात रहेगी। धर्म या समुदाय विशेष पर विवादित टिप्पणी की, तो सायबर सेल सीधे आपके घर पहुंचेगी। अफवाह फैलाने वाले ग्रुप एडमिन भी रडार पर हैं। होलिका दहन के बाद बचे मलबे की सफाई के लिए नगर पालिका और पंचायतों को डेडलाइन दी गई है।

इमरजेंसी के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था

त्यौहार के दौरान पानी की किल्लत न हो, इसके लिए नगर पालिका को दिन में दो बार सप्लाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, किसी भी अप्रत्याशित आगजनी की घटना से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड और पानी के टैंकर स्टैंडबाय पर रहेंगे। जिला अस्पताल में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की विशेष ड्यूटी लगाई गई है और बेड आरक्षित रखे गए हैं। उमरिया की परंपरा भाईचारे की है। प्रशासन त्यौहार में आपके साथ है, लेकिन कानून हाथ में लेने वालों के लिए प्रशासन का हाथ बहुत भारी होगा। पिकनिक स्पॉट्स पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी ताकि परिवार के साथ घूमने निकलने वालों को कोई परेशानी न हो।

बैठक में रही इनकी मौजूदगी

बैठक में, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, सीएमओ उमरिया किशन सिंह, सीएमओ पाली, भूपेन्द्र सिंह, सीएमओ मानपुर राजेंद्र कुशवाहा,डा मुकुल तिवारी, समिति के सदस्य त्रिभुवनप्रताप सिंह, राकेश शर्मा, राजेश शर्मा, पुष्पराज सिंह, राकेश प्रताप सिंह, मेंहदी हसन, भंडारी सिंह राजपूत, मो0 आजाद, कीर्ति कुमार सोनी, विजय मिंज , अतुल जैन सहित अन्य, सदस्य उपस्थित रहे ।

जिला कौशल विकास समिति की बैठक संपन्न

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता मे कलेक्टर सभगार में जिला कौशल विकास समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में कौशल विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओ की जानकारी,लक्ष्यों की पूर्ति हेतु कार्य योजना बनाने, प्लेसमेंट, आईटीआई में प्रवेश की कार्य योजना बनाने, आईटीआई के बाद कैरियर के अवसर पर चर्चा की गई । बैठक मे बताया गया कि मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के तहत संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट मंगठार में 14, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 13, गैर ईपीएफ स्थापना में 8, उत्सव मॉल में 2 व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है। संजय गांधी थर्मल पावर स्टेशन में 57 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है । प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से 204 प्रशिक्षणार्थियो का अंतिम चयन किया गया । युवा संगम के माध्यम से 1033 युवाओ का चयन किया गया है।

उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री विश्व कर्मा योजना के तहत टेलर दर्जी में 3 बैच आयोजित करके 33 प्रशिक्षणार्थियो को, हैमर टूल किट का एक बैच के माध्यम से 17 प्रशिक्षणार्थियो को, कारपेंटर का एक बैच आयोजित करके 7 प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षित किया गया है ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह , संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन कि अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण करते हुए ए ग्रेड मे आना सुनिश्चित करें ।

बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।

उन्होने कहा कि समस्त एसडीएम फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। इस कार्य में तहसीलदार एवं पटवारी को फील्ड पर उपस्थित रह कर फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति लाने के

निर्देश दिए । उन्होने कहा कि संकल्प से समाधान के तहत आयोजित किए जा रहे शिविरों में खंड स्तरीय अधिकारी एवं जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।तथा प्राप्त हो रहे आवेदनों का निराकरण करना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि वन अधिकार पट्टे के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें तथा जो प्रकरण निरस्त योग्य है उसे जांच के उपरांत निरस्त करने की कार्यवाही करें ।

उन्होने कहा कि लोक सेवा प्रदाय अधिनियम के तहत आम जनो को समय सीमा मे सेवाओं का प्रदाय किया जाना सुनिश्चित करें। प्रकरण समय सीमा के बाह्य होने पर अनुशासनात्मक एवं अर्थदंड की कार्यवाही की जाएगी ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह , सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका के द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी को घरों में किया जा रहा बर्बाद

50 प्रतिशत कनेक्शनों में नहीं हैं टोटंयिां, फिर भी बर्बादी रोकने नहीं की जा रही कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

गर्मी ने जहां अभी से दस्तक देने शुरू कर दी है लोग पानी बचाने की जगह व्यर्थ में पानी बहा रहे हैं जबकि नगर पालिका के द्वारा आए दिन लोगों को जागरुक करते हुए व्यर्थ में पानी ना बहाये जाने की अपील भी कर रहा है उसके बावजूद भी लोग मानने को तैयार नहीं है और खुली नल की टोंटियों से पानी बहा रहे हैं। नगर में लोगों द्वारा बडी लापरवाही की जा रही है। जिसके चलते सार्वजनिक पेयजल की खुली व टूटी टोटियों से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी की बर्बादी हो रही है साथ ही लोगों के द्वारा सड़क पर ही वाहनों की धुलाई की जा रही है जिसके कारण सड़क पर पानी बहता है। जबकि पानी को बचाने के लिए सरकार जागरूकता अभियान पर भारी भरकम राशि खर्च कर रही है। इसके बाद भी जिम्मेदार इसको लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। नगर में कुछ स्थानों में सुबह और कुछ स्थानों में शाम को प्रतिदिन पेयजल की सप्लाई की नगर पालिका के द्वारा की जा रही है। लेकिन इस दौरान लोग अपने उपयोग का पानी भरने के बाद पानी को बहा रहे हैं। वहीं कुछ लोग घरों के बाहर पानी से सफाई तो कोई वाहनों को धुलकर सैकडों लीटर पानी की बर्बादी कर रहे हैं।

जीवन के लिए पानी कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा पानी की किल्लत झेल रहे उन इलाकों से लगाया जा सकता है। जहां पानी की

एक-एक बूंद को लोग तरस जाते हैं। शहर में पेयजल संरक्षण के प्रति न तो शहरवासियों में जागरुकता दिख रही है और ना ही नगर पालिका इसके प्रति गंभीरता दिखा रही है। शहर के विभिन्न वार्डों में नगर पालिका की ओर से लगाए गए पेयजल की नलों पर कई ऐसे हैं, जहां टोटियां तक नहीं हैं। इसी तरह पानी बहता रहता है। हालात ये हैं कि पेयजल सप्लाई होने पर काफी समय तक जब पानी नाली एवं सड़कों में बहता रहता है, तब लोग जान जाते हैं कि नल में पानी आ गया है। ऐसी टोंटियों से पानी भरने के बाद, लोग अपने रबर की पाइप निकाल कर घर में रख लेते हैं। जिसके कारण टोंटियों से पानी बर्बाद होता रहता है। नगर पालिका की ओर से बताया गया कि जो भी सार्वजनिक कनेक्शन हैं वहां पर टोंटियां लगाई गई हैं, लेकिन लोगों द्वारा घरों में कनेक्शनों में टोंटियां नहीं लगाई गई हैं जिससे प्रतिदिन पानी बर्बाद हो रहा है। नगर पालिका आये दिन लोगों से अपील भी करती है, लेकिन अपील के बाद भी लोगों द्वारा पानी को बर्बाद किया जा रहा तो नगर पालिका प्रशासन के द्वारा कार्यवाही क्यों नहीं किया जाता।

नगर पालिका कर सकता है कार्यवाही

नगर पालिका क्षेत्र में पानी की बर्बादी हो या फिर पानी के कनेक्शन का दुरुपयोग किया जा रहा है तो नगर पालिका को उसका कनेक्शन काटने, जुर्माना लगाने आदि का पूर्ण अधिकार है। लेकिन कोतमा नगर में हो रही हजारों लीटर पानी की बर्बादी के बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है।

टूल्लू पंप का हो रहा उपयोग

शहर के कई इलाके ऐसे हैं जहां पर लोग टुल्लू पंप लगाकर पानी भर रहे हैं और फिर दरवाजे को साफ करने से लेकर वाहनों और घर के सामने के रास्ता तक पानी से धुलने का काम किया जाता है। इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को है, लेकिन इसके बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। नगर के पुराना स्टेट बैंक के पीछे पुरानी बस्ती सहित अन्य मोहल्ले में लोगों के द्वारा जमकर पानी का दुरुपयोग करते हुए व्यर्थ में पानी बहाया जा रहा है। नगर के वार्ड क्रमांक 5-6 मे स्टेट बैंक के पीछे मोहल्ले में खुले नलों की टोटियों एवं सडक पर वाहन धुलने के कारण सैकड़ो लीटर पानी प्रतिदिन व्यर्थ में बहता है ऐसे नलों को नगर पालिका के द्वारा बंद करवा देना चाहिए जिससे पानी की बर्बादी हो रही हो।

इनका कहना है

मेरे द्वारा कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है जिन जगहों में लोगों के द्वारा व्यर्थ में पानी बहाया जा रहा है और इसके कारण सड़क भी खराब हो रही है ऐसी जगह में टोटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं यदि नहीं मानते हैं तो ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके नल कनेक्शन कटवाए जाने की कार्यवाही की जाएगी।

प्रदीप झारिया, सीएमओ
नगर पालिका परिषद कोतमा

महिला एवं बाल विकास व हार्ड संस्था द्वारा चलाया जा रहा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

कोतमा। हार्ड संस्था अनूपपुर, तथा महिला एवं बाल विकास अनूपपुर के साथ मिलकर जस्ट राईट फार चिल्ड्रेन अलाइंस के सहयोग से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम 100 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है। जिसका प्रारंभ केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्ण देवी द्वारा 4 दिसंबर को किया गया था। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय अनुपपुर परिसर में सांसद श्रीमति हिमाद्री सिंह द्वारा बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, महिला बाल विकास एवं अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे। बाल विवाह रथ अनूपपुर जिला सत्र न्यायालय पहुंचा जहां पर रथ का अभिभाषक संघ द्वारा स्वागत किया गया तथा प्रथम जिला न्यायधीश नरेन्द्र पटेल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल तथा अध्यक्ष अभिभाषक संघ पुष्पेन्द्र मिश्रा शासकीय लोक अभियोजक द्वारा बाल विवाह के विरुद्ध प्रचार प्रसार के महत्व के बारे में बताया गया तथा बाल विवाह अधिनियम की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने एवं संयोजन सुशील शर्मा एवं समस्त संस्था टीम के द्वारा किया गया। यह रथ जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं विधिक प्रावधानों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करेगा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित हस्ताक्षर अभियान में सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, कलेक्टर हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाल विवाह रोकथाम के समर्थन में हस्ताक्षर कर सामाजिक कुरीति के उन्मूलन का संकल्प लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते द्वारा बताया गया कि अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, जनसंवाद एवं सामुदायिक सहभागिता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे समाज में सकारात्मक वातावरण निर्मित हो सके। अधिकारियों ने नागरिकों से बाल विवाह की रोकथाम में सक्रिय सहयोग प्रदान करने तथा संबंधित जानकारी विभाग को उपलब्ध कराने की अपील की।

निबंध, भाषण, रंगोली, वाद विवाद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। संकटग्रस्त पादप प्रजातियों का संरक्षण तथा बच्चों के साथ संवाद जागरूकता कार्यक्रम मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल एवं जीएस हितकारिणी समिति अनूपपुर के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर खाटी, पोड़की, भेजरी मे निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भेजरी में निबंध प्रतियोगिता में खुशबू बंजारा प्रथम, दयावती बनवासी द्वितीय, निलेश कुमार यादव तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में पुनीता देवी प्रथम, रोमी रजक दुतीय, प्रतिक दास तृतीय, रंगोली प्रतियोगिता में अंकित गुप्ता प्रथम, अन्नपूर्णा देवी द्वितीय, शुभम केशरवानी तृतीय, बाद विवाद प्रतियोगिता में आसमा बघेल प्रथम, नीलम देवी द्वितीय, समीर प्रसाद तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला घाटी में निबंध प्रतियोगिता में लता देवी प्रथम, कौशल्या देवी द्वितीय, अमरवती

देवी तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में विमल सिंह प्रथम, महेश्वर सिंह द्वितीय, ललिता देवी तृतीय स्थान प्राप्त की। रंगोली प्रतियोगिता में आस्था देवी प्रथम, गोमती देवी द्वितीय, अंकिता देवी तृतीय, बाद विवाद प्रतियोगिता में रविंद्र सिंह उइके प्रथम, पूनम देवी बैगा द्वितीय, चंद्रकाली देवी तृतीय स्थान प्राप्त की। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पोड़की निबंध प्रतियोगिता में देवलाल प्रथम, अभिषेक कुमार दुतीय, सपना देवी तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में महेश्वरी देवी प्रथम, भारती देवी द्वितीय, रोशनी बंजारा तृतीय, रंगोली प्रतियोगिता में अंजू देवी प्रथम, कन्याकुमारी द्वितीय, लीलावती तृतीय स्थान प्राप्त की। बाद विवाद प्रतियोगिता में रीति देवी प्रथम, चमेली मार्को दुतीय, संतोषी देवी तृतीय स्थान प्राप्त किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर में निबंध प्रतियोगिता में सोनाक्षी देवी प्रथम, स्वतंत्रता देवी द्वितीय, रूपवती देवी तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में कलावती देवी प्रथम, कमलेश्वरी देवी द्वितीय, विरेंद्रवती देवी तृतीय, रंगोली प्रतियोगिता में दीप शिखा देवी प्रथम, पुष्पलता देवी द्वितीय, अनुराग गुप्ता तृतीय, वाद विवाद प्रतियोगिता में मिथिलेश्वरी देवी प्रथम, रजनी देवी द्वितीय और दिलेश्वरी देवी तृतीय स्थान प्राप्त की सभी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

खबर संक्षेप

जनगणना कार्य एवं गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु अधिकारियों के मध्य किया गया कार्य विभाजन

उमरिया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जनगणना 2027 भारत की प्रथम डिजिटल जनगणना होनी है जिसमे प्रगणक मोबाइल एप व्दारा परिवारो से डिजिटल रूप से आकडे संकलित करेंगे । जिसमे जनगणना कार्य एवं गतिविधियो के सुचारू रूप से संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तर पर अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन किया गया है । कार्य विभाजन में अमित सिंह संयुक्त कलेक्टर को जिला अधिकारियों, चार्ज अधिकारियो,जनगणना लिपिक और तकनीकी सहायक के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण, प्रशिक्षण संबंधी समस्त कार्य एवं नियमानुसार स्लाट की बुकिंग, फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण, सभी प्रगणको एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर्स , फील्ड ट्रेनर्स , पर्यवेक्षक सूची निदेशालय को प्रस्तुत करने, सभी चार्ज अधिकारियों के कार्य नियत समय मे संपन्न कराने, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को तकनीकी सहायक एवं एमटी एस की आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्ति, सी एम एम एस पोर्टल पर जिला स्तरीय एकाउंट सृजन हेतु प्रमुख जनगणना अधिकारियो के आवश्यक विवरण सचिव गृह एवं नोडल अधिकारी को प्रेषित करने, सी एम एम एस पोर्टल पर चार्ज स्तरीय एडमिन एकाउंट सृजन हेतु समस्त चार्ज अधिकारियो के आवश्यक विवरणो की सूची तैयार करने,सभी प्रगणको एवं पर्यवेक्षको के नाम बल्क अपलोड करने, चार्जवार प्रगणक,पर्यवेक्षक एवं रिजर्व की जानकारी सी एम एम एस पोर्टल पर जांच कर सुनिश्चित कराने आदि का दायित्व सौंपा गया है । जिला शिक्षा अधिकारी को प्रगणको ,पर्यवेक्षको,फील्ड ट्रेनर्स आदि के लिए शिक्षको की उपलब्धता कराने, जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक प्रतिमाह करने, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव को प्रतिदिन के ई मेल एवं संबंधित दस्तातवेज प्राप्त करने एवं अग्रिम कार्यवाही करने, बैठक का एजेंडा बिंदु तथा कार्य वृत्त तैयार करने , जिला स्तर पर समस्त अनुवर्ती कार्यवाही सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। इसी तरह जनसंपर्क अधिकारी को जनणगना 2027 के दोनो चरणो के प्रचार प्रसार मे सहयोग एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया में उचित स्थान, स्लाट दिलवाने एवं प्रेस विज्ञप्ति,संदेश जारी कराने के दायित्वो सौंपा गया है।

किशोरीदास चतुर्वेदी 56 बर्ष की आयू में अकास्मिक निधन हो गया है

ब्योहारी ब्योहारी वार्ड 13 पडितान टोला निवासी *किशोरी दास चतुर्वेदी 56 बर्ष के लगभग आज सुबह अकास्मिक निधन हो गया है आप सुन्दी बाई केसरवानी हाई स्कूल में शिक्षक थे और नवरात्रि, गणेत्सव में पुजारी का कार्य किया करते थे और समाजिक व्यक्ति के धनी थे आपका अन्तिम संस्कार कल दिनांक 24 - 02- 2026 दिन मंगलवार को ग्राम साखी अपने परिवार के बगीचे में होगा

लापता नाबालिग को दिल्ली से किया दस्तयाब

कटनी। पुलिस अधीक्षक द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया व एसडीओपी श्रीमति आंकाक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी ढीमरखेडा श्रीमान अभिषेक चौबे के नेतृत्व में ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिक लड़की की दस्तयाबी की गई। पुलिस के अनुसार दिनांक 17.02.26 को ग्राम सासंपुर निवासी ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी लडकी घर से बिना बताये कही चली गई जो प्राथी की रिपोर्ट पर अपराध कंमाक 100/26 धारा 137(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर नाबालिक लड़की की तलाश पतासाजी कर दिल्ली से दस्तयाब कर परिजनों के सुपूर्द किया गया है।

पूज्य 108 श्री प्रमाण सागर जी की भव्य अगवानी, पंच कल्याणक एवं विश्व शांति महायज्ञ को लेकर ऐतिहासिक उत्साह

बुढार में 25 वर्षों बाद सजा आस्था का महासंगम

25 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक आयोजित होने जा रहे भव्य श्री पंच कल्याणक महोत्सव, 35 जिनप्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ के पूर्व पूज्य 108 श्री प्रमाण सागर जी महाराज की बुढार आगवानी ने पूरे नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

धनपुरी।

कॉलेज तिराहा से प्रारंभ हुई अगवानी देखते ही बनती थी—श्रद्धालुओं का सैलाब, गगनभेदी जयघोष और पुष्पवर्षा के बीच गुरुजी का स्वागत ऐतिहासिक बन गया।जैन समाज के साथ सिख, सिंधी, कसौधन, ब्राह्मण, क्षत्रिय, अग्रवाल, सोनी, ताम्रकार समाज एवं व्यापारी संघ सहित सभी वर्गों ने एक स्वर में स्वागत किया। जगह-जगह पाद-प्रक्षालन, मंगल कलश और भव्य तोरण द्वारों से सजा नगर अयोध्या की छवि प्रस्तुत कर रहा था। मुख्य मार्गों पर रंगोली, फूलों की सजावट और आकर्षक विद्युत सज्जा ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।भव्य शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए रेलवे स्टेशन के समीप स्थित नवीन जिन मंदिर पहुंची, जहां मंगल प्रवचन के साथ आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। प्रवचन में पूज्य श्री ने पंच कल्याणक की महत्ता, आत्मशुद्धि, संयम और विश्व शांति के संदेश पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही आगामी अनुष्ठानों हेतु प्रमुख पात्रों का चयन भी संपन्न हुआ।जैन समाज के प्रसन्न जैन 'दीपू' ने बताया कि वर्ष 2001 में 24 से 29 अप्रैल तक इसी प्रकार का ऐतिहासिक आयोजन पूज्य चिन्मय सागर जी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ था। 25 वर्षों बाद पुनः ऐसा आध्यात्मिक महासंगम बुढार की पावन भूमि पर साकार हो रहा है, जिससे समाज में अभूतपूर्व उत्साह है।नगर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजन समिति के अनुसार यह महोत्सव न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक समरसता और विश्व शांति के संदेश के लिए भी ऐतिहासिक सिद्ध होगा। बुढार एक बार फिर आध्यात्मिक चेतना के केंद्र के रूप में स्थापित होने जा रहा है।

युवा टीम ने परीक्षा आरम्भ होने के पूर्व बांटी शिक्षण सामग्री

शिक्षण सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे

बिरसिहपुर पाली उमरिया

वार्षिक परीक्षा आरंभ होने के पूर्व सेवा भाव के उद्देश्य कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन पर युवा टीम उमरिया द्वारा जरूरतमंद बच्चों को सहायतार्थ शिक्षण सामग्री बैग, स्लेट, बत्ती, पहाड़ा, किताब, पेन्सिल, पेन, कबॉक्स, फलों, मिठाई व आदि का वितरण किया गया। शिक्षण सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुलिस पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्र, कार्यक्रम संयोजक हिमांशु तिवारी ने विद्या के देवी मां सरस्वती जी की चित्र पटल पर माला अर्पण, पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने उपस्थित बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा मानव समाज के विकास और प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमारे समाज में विवेक, ज्ञान, समझ, और समर्पण की भावना को विकसित करती है। शिक्षा मानवीय सम्पदा को वृद्धि देती है और सभी क्षेत्रों में समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। मानव विकासः शिक्षा मानव विकास की मूलभूत आवश्यकता है। वार्षिक परीक्षा को लेकर थाना प्रभारी के द्वारा उत्साहवर्धन भी किया गया। कार्यक्रम संयोजक ने बताया ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य इन बच्चों को भविष्य को साक्षर बनाना ही नहीं बल्कि समाज को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि असहाय व जरूरतमंदों का सहयोग करने से किसी की भी आर्थिक व शारीरिक क्षमता में कमी नहीं आती है बल्कि आर्थिक खजाने में वृद्धि तो होती ही है साथ ही शारीरिक क्षमता में भी बल की वृद्धि होती है। मजदूर वर्ग परिवार के छोटे छोटे बच्चों को मुफ्त में पठन पाठन सामग्री मुहैया कराने के साथ साथ निशुल्क शिक्षा भी दिया जा रहा है, ताकि हमारा समाज विकसित हो इसके साथ साथ गाँव ,शहर और देश विकसित हो।कार्यक्रम के दौरान पाली पुलिस थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक ,कार्यक्रम संयोजक ,राहुल सिंह,अभिनव द्विवेदी, माही कोल, मोनी बैगा,राधा गुप्ता, शैलन्द्र कोल ,शिवांशी पासी,वेद कुमार, आलिया कोल, शनि पासी, कार्तिक पासी, अनमोल, अरुण, रसोईया मानवती यादव व सभी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय बुढार के छात्रों को राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान घुघुवा का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया

बुढार।

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढार के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान घुघुवा का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढार के वनस्पति विभाग में अध्यनरत छात्रों को विशिष्ट जीवाश्म धरोहर के लिए सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान घुघुवा (डिंडोरी) का भ्रमण कराया गया, और भ्रमण अवसर पर विद्यार्थियों ने जीवाश्मों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर पृथ्वी के प्राचीन इतिहास को निकट से समझा।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गंगा मिश्रा, डॉ. नागमणि मानिकपुरी, डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन तथा डॉ. मनोज कुजूर के निर्देशन में छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने भ्रमण में अपनी सहभागिता निभाई।

शैक्षणिक भ्रमण अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों को पृथ्वी की उत्पत्ति, विकास एवं भू-वैज्ञानिक इतिहास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदत्त की गई, वहीं उद्यान में जैव-भू-रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से पेड़ों के तने, पत्तियाँ तथा जंतुओं (शंख, घोंघे आदि) के अवशेष जीवाश्म के रूप में संरक्षित हैं, जो अणु-विस्थापन सिद्धांत की प्रक्रिया द्वारा ये अवशेष पत्थर के रूप में परिवर्तित हो गए हैं, तथा लगभग 6.5 करोड़ (65 मिलियन) वर्ष पूर्व की घटनाओं का यह साक्ष्य विद्यमान बताया जा रहा है।

वनस्पति शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राधेश्याम नापित ने जीवाश्म विज्ञान के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि - यह स्थल केवल जीव विज्ञान ही नहीं, बल्कि भू-विज्ञान, इतिहास एवं पुरातत्व के विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी अध्ययन केंद्र है।

डॉ. मनोज कुजूर ने कहाकि - यह भ्रमण छात्रों के लिए एक अनमोल अनुभव सिद्ध हुआ है, जिससे उन्हें पृथ्वी के विकासक्रम को समझने का व्यावहारिक अवसर प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान उद्यान के अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों को जीवाश्मों के संरक्षण एवं महत्त्व के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

इस शैक्षणिक भ्रमण में श्रीमती माधुरी शर्मा, रेखा शर्मा, प्रवीण सेन, बालकृष्ण सेन तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पृथ्वी के इतिहास एवं जीवाश्म विज्ञान के प्रति जागरूक करना रहा तथा अध्ययन को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना भ्रमण का मुख्य उद्देश्य रहा।

पंचकल्याणक को मात्र एक कार्यक्रम की दृष्टि से न देखें यह जीवन रुपांतरण का विज्ञान है: मुनिश्री प्रमाण सागर

बुढार। पाषाण से लेकर भगवान बनने की समस्त प्रक्रिया जिसमें गर्भ से लेकर जन्म और युवा से लेकर दीक्षा, कैवल्य ज्ञान तथा मोक्ष तक की समस्त क्रियाओं को आप सभी लोग साक्षात देखेंगे, इस पंचकल्याणक को मात्र एक कार्यक्रम की दृष्टि से न देखें यह तो आपके जीवन रुपांतरण का विज्ञान है, उक्ताशय के उदगार मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने बुढार नगर में प्रातःकालीन धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये।

मुनिश्री ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहाकि-मनुष्य अपने जीवन में ढेर सारी उपलब्धियां हासिल करता है,लेकिन यह वाहरी उपलब्धियां केवल इस जीवन तक साथ देती है,और एक दिन यंही धरी रह जाती है, इन वाहरी उपलब्धिओं में व्यक्ति व्यर्थ अभिमान करता है, तथा जीवन की आंतरिक उपलब्धि का बोध और वास्तविकता को नही पहचान पाता। परमपूज्य मुनिश्री 108 श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने कहाकि-हम तीर्थंकरों के चरित्र को पलटकर देखते है, तो हमारे सभी तीर्थंकर राजा, महाराजा, चक्रवर्ती हुये उनके जीवन में संसार की सारी निधियाँ तीन लोक की संपदा जिनके चरणों में न्योछावर होती थी, स्वर्ग का देवराज इंद्र जिनके चरणों में किंकर की तरह सेवा करता था लेकिन जब हम उनके जीवन आदर्श को देखते है,तो पाते है कि उन्होंने इन सभी सुख सुविधाओं तथा संपदाओं को अपनी मर्जी से त्यागा।

मुनिश्री ने पूंछा क्या उनके ऊपर कोई दवाव प्रभाव या अभाव था?

नहीं यह उनके चित्त का प्रभाव और बदलाव था, जिससे उनके जीवन में समभाव आया और उन्होंने सब कुछ मन से त्याग दिया, और निज से नाता जोड़ लिया मुनिश्री ने कहाकि-आप लोगों ने इतनी मनमोहक जिन प्रतिमा को स्थापित कर इतना विशाल जिनालय बनवाया और उसके पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव आयोजित करने जा रहे है, लेकिन इन सबके प्रयोजन का आप लोगों को ध्यान रखना है, कि हमारा उद्देश्य आत्म दृष्टि का है,अपनी आत्मा को पहचानो कि में कौन हूँ, मेरा क्या है। तब कंही जाकर आत्मा का कल्याण होगा।

जीवन को अर्थ दीजिये इसे व्यर्थ न गंवायें

मुनिश्री ने कहाकि - छोटी-छोटी बातों में हम लोग इतना खो जाते है, कि जीवन के मूलभूत उद्देश्य को ही भूल जाते है,मुनि श्री ने कहाकि-इस बात को हम सभी जानते है, कि इस संसार में जो कुछ भी प्राप्त हुआ है वह सब धरा का धरा रह जायेगा, अपने जीवन की वास्तविक सत्ता और उपलब्धियों को जानो तथा अपनी चेतना को निर्मल बनाने तथा राग द्वैष रहित निर्विकार आत्मा को ही अपना बनाने का ध्येय हमारा होंना चाहिये, क्या पता कौनसी सांस मेरे जीवन की अंतिम सांस बन जाये उन्होंने अर्थ, व्यर्थ, अनर्थ, और परमार्थ की सरल शब्दों में व्याख्या करते हुये कहाकि-गाय से दूध दोहना एक अर्थ है, उस दूध का प्रयोग न कर उसका फट जाना व्यर्थ है, दूध को ढोल दैना अनर्थ, दूध को दही जमा कर उसका मंथन कर घी बनाना परमार्थ है, यह जीवन भी दूध की तरह है, यदि इस जीवन में हमने अपनी आत्मा को निर्मल बनाने का कोई उद्यम नही किया तो यह जीवन व्यर्थ हो जायेगा, असली वैभव धन वैभव नहीं गुण वैभव है, इसे व्यर्थ न जाने दें।

उन्होंने एक प्रयोग कराते हुये कहाकि-मान लो यदि आपकी इसी समय मृत्यु हो जाती है, तो हमारी क्या मनःस्थिति होगी? विचार कीजिये क्या पूर्ण संतुष्ट और प्रसन्न होकर जाऊँगा,या मन में कोई कसक लेकर जा रहा हुं।

मुनिश्री ने कहाकि-सबके मन में कसक है, जीवन को अर्थ दीजिये इसे व्यर्थ न गंवायें।

मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं पंचकल्याणक समिति के प्रचार मंत्री गौरव नारद ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि-आगामी 25 फरवरी से श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव का कार्यक्रम प्रातः काल घटयात्रा से प्रारंभ होगा और कार्यक्रम की समस्त संयोजना पूर्ण की जा चुकी है, तथा प्रमुख पात्रों का चयन प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है।

जीवन में जो मिले अवसर का लाभ उठाते हैं, वही अपने भाग्य को सौभाग्य मय बनाते हैं: श्री प्रमाण सागर महाराज

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव पर सन्त शिरोमणि श्री प्रमाण सागर के ससंघ नगर पदार्पण पर पूरे श्रद्धा के साथ किया अगुवानी

बुढ़ार ।

श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पुण्य अवसर पर सन्त शिरोमणि राष्ट्रीय सन्त परमपूज्य श्री प्रमाण सागर जी महाराज का ससंघ बुढार पदार्पण हुआ और श्री सकल दिगम्बर जैन समाज बुढार, धनपुरी एवं महान्यास बुढार सहित विभिन्न धर्मों के धर्मप्रेमियों ने पूरे श्रद्धा एवं उल्लासमय वातावरण में रविवार को कॉलेज तिराहे पर मुनिश्री का ससंघ भव्य मंगल आगवानी की और पुष्प वर्षा कर स्वागत, वंदन अभिनंदन किये। इसके उपरान्त श्री वासुपूज्य जिनालय स्थल से विशाल शोभायात्रा नगर के विभिन्न मुख्य मार्गो से होते हुये पंचकल्याणक स्थल बाजे-गाजे के साथ पहुंची और नगर में जगह-जगह मुनिश्री की मंगल आरती कर धर्मप्रेमियों ने पाद प्रच्छालन कर शुभाशिर्वाद ग्रहण किये।

बुढार में 22 फरवरी से 2 मार्च तक आयोजित होने वाले श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पावन अवसर पर परमपूज्य मुनि श्री 108 श्री प्रमाण सागर जी महाराज के ससंघ की मंगल अगवानी पर जगह-जगह स्वागत वंदन अभिनंदन गेट बनाये गये और रंगोली बनाई गयी वही सौभाग्यवती महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर मंगल अगवानी की।

बुढार नगर में नवनिर्मित श्री शांतिनाथ जिनालय में सन्त शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक गुणायतन भावना योग प्रणेता राष्ट्रीय सन्त श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर भव्य मंगल आशीर्वाद हुये कहाकि - इजीवन में जो मिले अवसर का लाभ उठाते है,वही अपने भाग्य को सौभाग्य में परिवर्तित कर पाते हैइ परमपूज्य मुनि श्री ने भाग्य, सौभाग्य, दुर्भाग्य,और अभाग्य इन चार बातों पर अनमोल बचन कहते हुये कहाकि - वह लोग भाग्यहीन है, जिन्हें कोई अनुकूल संयोग नहीं मिलता, वह लोग भाग्यशाली है, जिन्हें सही योग मिलता है। उन्होंने कहाकि - आप सभी बड़े भाग्यशाली है, क्योंकि आपको इस जीवन में सारे अनुकूल संयोग प्राप्त हुये है, और यंहा पर बैठे हुये सभी भाग्यशाली है, क्योंकि अभागा व्यक्ति तो इस पांडाल में ही प्रवेश नहीं कर सकता। पूज्य मुनि श्री ने - बुढार बालों के भाग्य की सराहना करते हुये उनके भाग्य की लम्वी लिस्ट बना दी जिसमें मनुष्य जन्म पाया और मां बाप का साया मिला यदि मां बाप का साया उठ गया होता तो किसी अनाथ आश्रम में पल रहे होते, तो बजाओ अपने भाग्य पर तालियाँ। मुनि श्री ने कहाकि - स्वस्थ शरीर मिला यदि बीमार और लाचार होते तो किसी अस्पताल में पड़े होते, अच्छी बुद्धि पाई जिससे पढ़ लिखकर बुद्धिमान बने यदि मंद वुद्धि होते तो न जाने कंहा होते और इतना ही नहीं धन संपन्नता पाई यदि धन हीन होते तो कंही भीख मांग रहे होते, इतना ही नहीं अच्छे संस्कार पाये, यदि संस्कार विहीन होते तो लुच्चे लफंगे आबारा और मबालिओं की तरह फिरते होते। मुनि श्री ने कहाकि - एक सभ्य और सु संस्कारित नागरिक की तरह अपना जीवन जी रहे हो, हो सभी भाग्यशाली कि नहीं बोलो, आप लोग ऐसे परिवार में जन्म लिये हो जिसके डी.एन.ए में अहिंसा है, जिसकी पीढ़ियों में कभी हिंसा नहीं हुई और कितनी आपके भाग्य की सराहना करु कि आपने इतना भव्य मंदिर बना दिया कि दरबाजे में घुसते ही जैसे भगवान पर दृष्टि पड़ी तो मूंह से निकल गया कि वाह कितना भव्य गजब का मंदिर है, और उसके साथ साथ पंचकल्याणक और उसमें भी हम लोगों का संयोग यह सब आपका योग है, और योग का सही प्रयोग करने पर भाग्य-सौभाग्य में परिवर्तित हो जाता हैइ मुनि श्री ने कहाकि - भाग्य तभी सौभाग्य में बदलता है, जब व्यक्ति पुरुषार्थ करता है भाग्य ने अच्छा स्वस्थ शरीर दिया उसका प्रयोग करो त्याग तप सेवा सदभावना में अपना जीवन लगाओ, भाग्य ने तुम्हें धनी बनाया तो उसका दान और परोपकार में उसका प्रयोग करो भाग्य ने तुम्हे मंदिर दिलाया तो रोज भगवान की पूजा करो,भाग्य से जो मिला है उसका सही प्रयोग करोगे तो सौभाग्यशाली बनोगे और प्रयोग नहीं करोगे तो भाग्य कब दुर्भाग्य में परिवर्तित हो जायेगा पता ही नहीं चलेगा। मुनि श्री ने कहाकि - आप लोग जो सड़क पर चलते हुये भिखारियों को देखते हो यह आपको सीख देते है कि अपने धन का सही उपयोग करो अन्यथा आपको भी हमारे समान दर-दर का भिखारी बनना पढेग़ा इस पावन अवसर पर मुनि श्री संधान सागर महाराज एवं क्षुल्लक समादर सागर महाराज मंचासीन रहे, कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रम्हचारी अशोक भैया एवं अभय भैया ने किया।

श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव पर श्री सकल दिगम्बर जैन समाज तथा महान्यास बुढार द्वारा परमपूज्य मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज जी के ससंघ मंगल आगुवानी एवं शोभायात्रा अवसर पर - जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी, नगर पालिका धनपुरी अध्यक्ष श्रीमती रविन्दर कौर छावडा, बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, श्री गरु सिंह सभा गुरुद्वार के ज्ञानी जी, मानव कल्याण आश्रम कटाकोना के गीतानुरागी श्रीकान्त शर्मा, कसौधन वैश्य समाज के अध्यक्ष मंगेश गुप्ता, समाजसेवी-राजू सेठिया, सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति के संयोजक रोहणी प्रसाद गर्ग, अध्यक्ष मनोज कुमार जैन, कार्यकारी अध्यक्ष रतन सोनी, सचिव पवन सोनी, सहसचिव सौरभ जैन, प्रशान्त जैन, अभिषेक पटवारी, अशोक जगवानी, वैश्य महासम्मेलन के तहसील अध्यक्ष चन्द्रभान गुप्ता सहित नगर के व्यवसायियों तथा गणमान्य जन मुख्य रूप से सम्मिलित रहे।

शोभायात्रा में रहीं पुलिस तैनात

कालेज तिराहे से शोभायात्रा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के निदेशन में थाने का पुलिस बल भारी संख्या में तैनात रहा जिससे किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुई पुलिस प्रशासन को जैन समाज ने धन्यवाद ज्ञापित किया है

खबर संक्षेप

स्टेट हाईवे मरम्मत में लापरवाही, स्कूटी सवार युवती हुई घायल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के अनूपपुर-चचाई राज्य मार्ग में चल रहे मरम्मत कार्य में ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरतने के कारण एक स्कूटी सवार युवती गड्ढे में गिरकर घायल हो गई है, जिसे हाथ और पैर में गंभीर चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनूपपुर-चचाई राज्यमार्ग के टूटफूट की मरम्मत कार्य में लगे ठेकेदार द्वारा खोदे गए गड्ढों के लिए किसी भी प्रकार की सुरक्षा या संकेत का पुख्ता इंतजाम नहीं किया गया है, जिसका खामियाजा एक स्कूटी सवार युवती को भुगतना पड़ा। युवती स्वाति सिंह पिता नरेंद्र सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी चचाई बस्ती मेंडियारास जो कि अपनी स्कूटी में सवार होकर अपने घर की ओर जा रही थी, जहां राज्यमार्ग में ठेकेदार द्वारा किए गए गड्ढे के आगे पीछे किसी भी प्रकार का संकेत नहीं लगाने से गिरकर घायल हो गई। जिससे ठेकेदार एवं इंजीनियर की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

प्रतिज्ञा पटेल की मां नर्मदा परिक्रमा यात्रा पूर्ण

अमरकंटक। मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की पुत्री प्रतिज्ञा पटेल की पतित पावनी मां नर्मदा परिक्रमा यात्रा विधिवत रूप से पूर्ण हो गई। परिक्रमा के समापन अवसर पर पावन नगरी अमरकंटक स्थित नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर और नर्मदा कुंड में आचार्य-पुरोहितों के मंत्रोच्चारण के साथ पूजन-अर्चन, आरती तथा कन्या पूजन-भोजन संपन्न कराया गया। उल्लेखनीय है कि लगभग दो माह पूर्व माई की बगिया एवं नर्मदा उद्गम स्थल से विधिवत संकल्प लेकर परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया गया था। यात्रा के दौरान नर्मदा तटवर्ती विहंगम स्थलों का अवलोकन एवं चित्रांकन भी किया गया। समापन अवसर पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, विधायक जालम सिंह पटेल, परिजन तथा शुभेच्छुजन उपस्थित रहे। प्रतिज्ञा पटेल ने परिक्रमा को सफल, सुखद और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव बताते हुए कहा कि यात्रा से संबंधित कुछ चित्रकारी कार्य शेष है, जिसे शीघ्र पूर्ण किया जाएगा। संपूर्ण पूजन-अर्चन पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी, रूपेश द्विवेदी एवं हर्ष द्विवेदी ने परंपरागत विधि-विधान से संपन्न कराया।

पवित्र नगरी अमरकंटक में देवी गीत एल्बम की मनोहारी शूटिंग

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के सुरम्य और आध्यात्मिक वातावरण में आदिशक्ति भगवती देवी पर आधारित भजन-गीत एल्बम की भव्य शूटिंग संपन्न हुई। प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था की दिव्य छटा के बीच फिल्माए गए दृश्यों ने भक्ति-रस को सजीव रूप प्रदान किया। रामघाट (उत्तर एवं दक्षिण तट) सहित नगर के विविध रमणीय स्थलों पर एल्बम के दृश्य फिल्माए गए। शहडोल की बाल कलाकार अन्वी द्विवेदी ने देवी मां की भूमिका को सरल, सौम्य और भावपूर्ण अभिनय से साकार किया। शूटिंग के दौरान उनकी सहजता और प्रसन्नचित्तता ने पूरे वातावरण को उल्लास से भर दिया, जबकि उनकी माता पूरे समय साथ रहीं। एल्बम का निर्माण एवं निर्देशन शहडोल के श्री सोनी द्वारा किया जा रहा है। कुशल कैमरामैन ने विविध तकनीकों के माध्यम से छायांकन को आकर्षक और जीवंत रूप दिया। अमरकंटक की पावन भूमि पर सृजित यह एल्बम शीघ्र ही श्रद्धालुओं और संगीत-प्रेमियों के लिए भक्ति का नया आयाम प्रस्तुत करेगा।

दबाव और दमन के खिलाफ सशर्त सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

पटवारियों का आर-पार का ऐलान

जिले में राजस्व व्यवस्था गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। पटवारियों ने प्रशासन पर संवाद छोड़कर दबाव और धमकी की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। हड़ताल के बीच अब सशर्त सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी ने प्रशासन और जनता दोनों की चिंता बढ़ा दी है। हालात यह हैं कि जरूरी राजस्व कार्य ठप पड़े हैं और असंतोष लगातार गहराता जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले की कोतमा, अनूपपुर, जैतहरी और पुष्पराजगढ़ तहसीलों के पटवारी 12 फरवरी 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि 10 सूत्रीय मांगों को लेकर बार-बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन समाधान के बजाय अब कार्रवाई और दबाव का रास्ता चुना जा रहा है। संघ पदाधिकारियों को व्यक्तिगत नोटिस, तहसील अध्यक्षों को चेतावनी और नए पटवारियों को सेवा समाप्ति का भय इन कदमों ने आंदोलन को और तेज कर दिया है। हड़ताल का असर सीधे जनता पर पड़ रहा है। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री और प्रमाण पत्र जैसे कार्य पूरी तरह ठप हैं। पटवारियों का आरोप है कि बेहतर काम करने वालों पर भी दंडात्मक कार्रवाई कर यह संदेश दिया जा रहा है कि मेहनत नहीं, बल्कि आदेशों का अंधा पालन जरूरी है। इसी पृष्ठभूमि में सशर्त सामूहिक इस्तीफे का ऐलान हुआ है।

हड़ताल के पीछे की असली वजह

पटवारियों का कहना है कि यह आंदोलन अचानक नहीं हुआ, बल्कि लंबे समय से अनदेखी का नतीजा है। संसाधनों की कमी, बढ़ता कार्यभार और जिम्मेदारियों के अनुपात में सुविधाओं का अभाव पहले से ही परेशानी का कारण था। जब इन मुद्दों पर बात रखने की कोशिश की गई, तो समाधान के बजाय दबाव और आदेश थोपे गए। पटवारियों का आरोप है कि समस्याओं को समझने के बजाय उन्हें अनुशासनहीन बताकर कार्रवाई की धमकी दी जा रही है। यही कारण है कि अब यह आंदोलन केवल मांगों तक सीमित न रहकर सम्मान और कार्य-सुरक्षा की लड़ाई बन गया है।

प्रशासन पर दबाव और धमकी के आरोप

आंदोलनरत पटवारियों का आरोप है कि जिला प्रशासन ने हड़ताल समाप्त कराने के लिए कठोर रवैया अपनाया है। तहसील अध्यक्षों को नोटिस जारी किए गए, संघ पदाधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से कार्रवाई का भय दिखाया गया और नए पटवारियों को सेवा समाप्ति की चेतावनी दी गई। पटवारियों का कहना है कि यह तरीका न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल को तोड़ने वाला भी है। उनका आरोप है कि बातचीत और सहमति की जगह डर का माहौल बनाया जा रहा है, जिससे विवाद और गहराता जा रहा है।

आम जनता पर हड़ताल का असर

हड़ताल का सबसे बड़ा खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में लोग नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और फार्मर रजिस्ट्री जैसे जरूरी कार्यों के लिए तहसीलों के चक्कर काट रहे हैं। जाति प्रमाण पत्र और गिरदावरी न होने से कई सरकारी योजनाओं का लाभ भी अटक गया है। किसानों और छात्रों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। जनता का कहना है कि प्रशासन और कर्मचारियों के टकराव में उनकी समस्याएं अनसुनी हो रही हैं, जिससे आक्रोश बढ़ रहा है।

कार्रवाई से टूटता कर्मचारियों का मनोबल

पटवारियों ने उदाहरण देते हुए बताया कि बेहतर प्रदर्शन करने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है। उनका आरोप है कि फार्मर रजिस्ट्री जैसे कार्यों में अपेक्षा से अधिक प्रगति के बावजूद निलंबन और फटकार जैसी कार्रवाइयों से यह संदेश जा रहा है कि मेहनत की कोई कीमत नहीं है। इससे न केवल पटवारियों का मनोबल टूट रहा है, बल्कि अन्य कर्मचारी भी भय के माहौल में काम करने को मजबूर हैं। पटवारियों का कहना है कि इस तरह की नीति से प्रशासनिक कार्यकुशलता प्रभावित होती है।

सशर्त सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

पटवारियों ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि उनकी 10 सूत्रीय मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ, तो वे सशर्त सामूहिक इस्तीफा देंगे। उनका कहना है कि यह कदम मजबूरी में उठाया जाएगा, क्योंकि सम्मानजनक और सुरक्षित कार्य वातावरण के बिना काम करना संभव नहीं है। सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी ने प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यदि ऐसा हुआ, तो जिले की पूरी राजस्व व्यवस्था चरमरा सकती है और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा।

किराया संशोधन नहीं होने से बस संचालन संकट में, बस ओनर्स एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

अनूपपुर। जिले में बस संचालन को लेकर गंभीर संकट के हालात बनते नजर आ रहे हैं। जिला बस ओनर्स एसोसिएशन अनूपपुर ने बस किराया संशोधन लागू नहीं होने पर कड़ा विरोध जताते हुए कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और प्रमुख सचिव को ज्ञापन सौंपा है। बस मालिकों का कहना है कि लगातार बढ़ रही डीजल कीमत, मेंटेनेंस खर्च, टैक्स और कर्मचारियों के वेतन के बावजूद किराया वर्षों से यथावत है, जिससे बस संचालन घाटे का सौदा बन गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश शासन द्वारा 24 दिसंबर 2025 और पुनः 29 जनवरी 2026 को राजपत्र में किराया संशोधन का प्रारूप प्रकाशित किया गया था, लेकिन अब तक उसे लागू नहीं किया गया। इससे बस मालिकों में भारी असंतोष है। वर्तमान में जिले की व्यवस्था के साथ पूरे प्रदेश में बसों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन लगातार नुकसान के कारण कई संचालक बसें खड़ी करने को मजबूर हो रहे हैं।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि इस समस्या को लेकर एसोसिएशन द्वारा संबंधित अधिकारियों से कई बार निवेदन किया गया, मगर कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। बस मालिकों ने चेतावनी दी है कि यदि 2 और 3 मार्च 2026 तक किराया संशोधन लागू नहीं किया गया तो प्रदेशभर में बस संचालन बाधित किया जा सकता है। इसका सीधा असर आम जनता, छात्रों, मजदूरों और ग्रामीण यात्रियों पर पड़ेगा। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि संभावित हड़ताल या बस संचालन ठप होने की स्थिति में होने वाली असुविधा की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बस मालिकों ने जल्द निर्णय लेकर किराया संशोधन लागू करने की मांग की है, ताकि परिवहन व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रह सके।

नई आबकारी नीति में अब न नई शराब दुकान, न पुरानी का नवीनीकरण

ई-टेंडर, ई-गारंटी और सख्त निगरानी से बदलेगा सिस्टम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति लागू कर शराब कारोबार की पूरी व्यवस्था को डिजिटल और सख्त बना दिया है। इस नीति के तहत न तो कोई नई शराब दुकान खुलेगी और न ही पुरानी दुकानों का नवीनीकरण होगा। प्रदेश की सभी 3553 शराब दुकानों का आवंटन अब केवल ई-टेंडर प्रक्रिया से किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति में ई-आबकारी प्रणाली को और मजबूत किया गया है। शराब परिवहन से लेकर दुकान आवंटन, प्रतिभूति राशि, निरीक्षण और भुगतान ये सब कुछ डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। सभी दुकानों का निष्पादन ई-टेंडर और ई-टेंडर कम ऑक्शन के जरिए होगा। धरोहर राशि अब ईएमडी के रूप में एमपी टेंडर्स पोर्टल पर ऑनलाइन जमा करनी होगी। राजस्व सुरक्षा के लिए बैंक गारंटी भी केवल ई-बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार की जाएगी। निरीक्षण के लिए जीपीएस आधारित मोबाइल एप का उपयोग किया जाएगा और सभी बार लाइसेंसियों की ई-केवाईसी अनिवार्य होगी। इस नीति में 300 मीटर के दायरे में स्थित 300 से अधिक दुकानों को स्थानांतरित करने का प्रावधान भी रखा गया है। सरकार का उद्देश्य साफ है कि डिजिटल नियंत्रण, पारदर्शिता और राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

ई-टेंडर से होगा पूरा आवंटन, नवीनीकरण खत्म

नई नीति के तहत न तो कोई नई शराब दुकान खुलेगी और न ही पुरानी दुकानों का नवीनीकरण किया जाएगा। सभी 3553 दुकानों का आवंटन केवल ई-टेंडर के माध्यम से होगा। सफल टेंडरदाता को निष्पादन के दस दिन के भीतर न्यूनतम 50 प्रतिशत प्रतिभूति राशि ई-चालान से जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न होने पर राशि भू-राजस्व की तरह वसूली जाएगी।

30 हजार का ई-टेंडर फार्म, सख्त डिफॉल्टर सिस्टम

टेंडर में भाग लेने के लिए प्रति समूह 30 हजार रुपए का ई-टेंडर फार्म लेना अनिवार्य होगा। दस करोड़ तक की दुकान के लिए आरक्षित मूल्य का दो प्रतिशत ईएमडी देनी होगी। किसी भी समूह द्वारा देय राशि समय पर जमा न करने पर पोर्टल स्वतः प्रतिबंधित करेगा और समूह डिफॉल्टर घोषित होगा। इसके बाद जिला आबकारी अधिकारी लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई करेगा।

पांच दुकानों का समूह, ट्रैक-एंड-ट्रेस व्यवस्था लागू

इस वर्ष अधिकतम पांच शराब दुकानों का ही एक समूह बनाया जा सकेगा। नए जिलों के गठन के कारण समूहों का पुनर्गठन किया जाएगा। शराब दुकानों पर पॉइंट ऑफ सेल मशीनें लगेंगी और बोतल लेबल तक ट्रैक-एंड-ट्रेस व्यवस्था लागू होगी। पूरे प्रदेश में सुबह 9:30 बजे से रात 11:30 बजे तक शराब बिक्री की अनुमति रहेगी।

हाथी-मानव प्रकृति प्रबंधन पर जिपं पदाधिकारियों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

हाथी-मानव द्वन्द्व को रोकने जन जागरूकता जरूरी-डीएफओ विवेक सिंह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वर्तमान परिदृश्य में मानव-हाथी के बीच बढ़ते संघर्ष की जन जागरूकता के लिए वन विभाग द्वारा लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अनूपपुर जिले में हाल के कुछ महीनो में मानव-हाथी द्वन्द्व के बढ़ते मामले को दृष्टिगत रख जिला पंचायत अनूपपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को अपने क्षेत्र के नागरिकों, ग्रामीण जनों को वन्य जीव हाथी के संबंध में आवश्यक जन जागरूकता के लिए क्षेत्रीय वन मंडल उमरिया एवं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के द्वारा एक दिवस प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन ताला स्थित प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में वन मंडलाधिकारी उमरिया विवेक सिंह, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उपसंचालक योहन कटारा, जिला पंचायत अनूपपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी तथा जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर, सदस्य श्रीमती भुवनेश्वरी सिंह, श्रीमती किरण चौधरी, श्रीमती यशोदा कोदू सिंह, सुश्री भारती केवट, नर्मदा सिंह, रंजीत सर्राटी, दरोगा सिंह तथा जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी केके सोनी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण सह कार्यशाला में वन मंडलाधिकारी उमरिया विवेक सिंह ने कहा कि बढ़ती आबादी के कारण रिहायशी तथा कृषि क्षेत्र में वृद्धि होने से वर्षों से हाथियों के आने-जाने का जो मार्ग रहा है वह प्रभावित होने से मानव हाथी संघर्ष बढा है जिसको रोकने के लिए वन विभाग द्वारा आवश्यक प्रबंधन व लगातार जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने हाथी-मानव द्वन्द्व को रोकने जन जागरूकता को जरूरी बताते हुए जनप्रतिनिधियों को आवश्यक जानकारी देते हुए उन्हें ग्रामीण जनों के बीच जनजागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हाथियों की प्रकृति, स्वभाव तथा जनहानि पर वन विभाग द्वारा दिए जाने वाली सहायता के संबंध में जानकारी दी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया मंडल के उपसंचालक योहन कटारा ने कहा की जन जागरूकता के कार्य में जनप्रतिनिधियों की महती भूमिका होती है। उनके सहयोग से मानव एवं वन्य जीव संघर्ष को ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरूकता कर रोकने में सहयोग प्राप्त होगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने राजस्व विभाग द्वारा वन्य जीव से होने वाली घटना पर आरबीसी 6-4 के तहत प्रदान की जाने वाली राहत राशि के संबंध में जानकारी दी। प्रशिक्षण में प्रशिक्षको ने हाथियों की प्रकृति, हाथियों से बचाव, गजरक्षक मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सूचना प्रबंधन, तथा हाथियों के प्रबंधन के दौरान क्या करें क्या ना करें के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर बांधवगढ़ बफर जोन के वन परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश कुमार अहिरवार ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जन जागरूकता तथा सतर्कता के महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई।

12वीं एवं 10वीं की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन आरंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित की जा रही है कक्षा 12वीं एवं 10वीं की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 22 फरवरी से आरंभ हो गया है। जहां सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित शासकीय एक्सीलेंस स्कूल परिसर अनूपपुर में बनाए गए मूल्यांकन केंद्र पर कक्षा 12 वीं की तीन विषयों अंग्रेजी, भौतिकी और अर्थशास्त्र विषयक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है, जो सप्ताहभर तक जारी रहेगा। बोर्ड परीक्षा/वीक्षण संचालक एक्सीलेंस स्कूल अनूपपुर उदय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम चरण के लिए 10800 कॉपियां मूल्यांकन के लिए आई है। इसमें अंग्रेजी विषय के 6300 भौतिकी के 1800 और वाणिज्यिक विषय के 2700 कॉपियां है। इनके वीक्षण कार्य के लिए 67 शिक्षक प्रशिक्षित किए गए हुए हैं। मूल्यांकन का कार्य सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक किया जाएगा। हालांकि रविवार को प्रथम दिवस मूल्यांकन कार्य में सिर्फ दो विषय अंग्रेजी और भौतिकी विषयक ही जांच हो सकी, अर्थशास्त्र विषय के शिक्षक नहीं पहुंच पाने के कारण मूल्यांकन नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि कॉपियों का मूल्यांकन कार्य चार चरण में पूरे किए जाएंगे इसमें प्रथम चरण 22 फरवरी से, दूसरा चरण 1 मार्च से तीसरा चरण 9 मार्च से और चौथा चरण 23 मार्च को आरंभ होगा, यानी लगभग माह भर तक मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन स्थल का व्यापक रूप से बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप सुरक्षा घेरा तैयार करते हुए क्षेत्र को धारा 163 के तहत प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा वीक्षण कार्य में लगे शिक्षक हैं मूल्यांकन कार्य पर उपस्थित होने के दौरान मोबाइल से बोर्ड द्वारा जारी ऐप पर ऑनलाइन अटेंडेंस लगाएंगे, साथ ही शाम को मूल्यांकन समाप्ति के उपरांत एप पर ही कितनी कॉपी मिली कितनी कॉपियों की उन्होंने जांच की और कितने शेष रह गए उनकी डिटेल भरने के साथ चेक आउट भी करेंगे। इस दौरान वीक्षण कार्य में लगे शिक्षको का मोबाइल स्ट्रांग ऑफिस में स्विच ऑफ बंद रहेंगे।

नेत्रहीन युवा शिरीष नामदेव की रामघाट में स्नान के दौरान डूबने से हुई मृत्यु

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। अमरकंटक के नर्मदा नदी के उत्तर तट रामघाट में जबलपुर के शासकीय राज अपंग संस्थान में अध्यनरत 25 वर्षीय नेत्रहीन युवा शिरीष नामदेव की स्नान के दौरान डूबने से असमय मृत्यु हो गई। शिरीष नामदेव अपने अन्य साथियों के साथ रामघाट में नर्मदा नदी में स्नान कर रहा था इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया जिसे अन्य नहा रहे साथी नहीं देख पाए क्योंकि सभी साथी भी उसी की तरह नेत्रहीन है। 45 और साथ पढ़ने वाले नर्मदा दर्शन एवं पर्यटन के लिए पवित्र नगरी अमरकंटक आए हुए थे इसके साथ ही 24 छात्राएं जो कि नेत्रहीन है निजी संस्थान से अध्यनरत है साथ ही आए हुए थे लगभग 86 छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं कर्मचारियों का शासकीय एवं अशासकीय अपंग संस्थान के नर्मदा नदी के रामघाट में स्नान कर रहे थे इसी दौरान शिरीष नामदेव पिता राज नारायण नामदेव उम्र 25 वर्ष जो की एमए जबलपुर में रहकर अध्ययन कर रहा था नर्मदा नदी में डूबने से असमय मृत्यु हो गई जो पास ही अन्य साथी गण स्नान कर रहे थे पास में शिरीष नामदेव का स्नान के दौरान रखा समान देख कर तलाश करने लगे जब बहुत देर तक नहीं मिला तो उन्हें नदी में डूबने की आशंका हुई उक्त घटना दोपहर लगभग 1: बजे की है। मृतक रीवा का रहने वाला है घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस थाना अमरकंटक को दी गई पुलिस अमरकंटक ने स्थानीय गोताखोरों को लगाकर नदी से मृतक का शव निकाला गया। युवा होनहार और शिरीष नामदेव का शव लगभग डेढ़ घंटे बाद निकाला जा सका। नगर परिषद अमरकंटक वार्ड क्रमांक 8 कपिल संगम निवासी कृष्ण चौहान ने काफी मशक्कत के बाद मृतक का शव नदी से निकला। इसके पूर्व होमगार्ड जवान भगवत सिंह, मनमोहन राठौर तथा जलगांव महाराष्ट्र से आए युवक ने काफी खोजबीन की। स्थानीय पुलिस थाना अमरकंटक में मृतक के नर्मदा नदी में डूबने की घटना पर मर्ग कायम कर प्रकरण विवेचना में लिया है इसके पूर्व प्रधान आरक्षक पूरन सिंह, कृष्णा सिंह राजावत एवं अमलेश बघेल नर्मदा नदी के रामघाट तट पर मौजूद रहे। पुलिस थाना अमरकंटक नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी, उप निरीक्षक पीएस बघेल, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव मौजूद रहे अमरकंटक हल्का पटवारी अश्विनी तिवारी तथा तहसीलदार ज्ञान दास पनिका ने भी संपूर्ण घटना की जानकारी ली। कृष्ण चौहान ने अथक परिश्रम कर नर्मदा नदी से मृतक का शव निकाला।